श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट

नैतिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान का एक रचनात्मक अभियान

डॉ. प्रणव पण्ड्या
प्रमुख - अखिल विश्व गायत्री परिवार
कुलाधिपति - देव संस्कृति विश्वविद्यालय
संपादक - अखण्ड ज्योति

शैलबाला पण्ड्या
सुपुत्री: माता भगवती देवी शर्मा
वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं.श्रीराम शर्मा आचार्य

०९ जुलाई-२०१७
गुरुपूर्णिमा

आदरणीय भाई साहेब/बहेनजी

आजे गुरुपूर्णिमा/व्यासपूर्णिमानो पावन दिवस छे. गुरुभक्तिथी, गुरुचरणोना ध्यान, साधनाथी गुरुभक्त साधकना जीवनमां तप साधनानी प्रत्येक उपलब्धि सहज रूपमां अवतरित थई जाय छे. गुरुचरणोनी कृपाथी तत्वज्ञान, ब्रह्मतादात्म्य, ईश्वर कृपा आ बधुं सरळ थई जाय छे. प्रत्येक परिजनो माटे आ गुरुपूर्णिमा, गुरुचरणोनी कृपानी अनुभूतिनुं पर्व छे.

गुरुपूर्णिमानुं महापर्व आपणा सौना माटे एे संदेश लईने आव्युं छे, आपणा गुरुदेव आपणाथी दूर नथी. एमनुं हंमेशाथी एे आश्वासन छे के तेमने पोकारवावाळा एमना अनुदानोथी क्यारेय पण वंचित रहेशे नहीं. गुरु ज्ञाननी ज्वळहळती मशाल छे. तेओ ज एे विधिओना विशेषज्ञ छे, जेमना द्वारा शरीर, मन तथा अंतरात्मानुं नियंत्रण तथा नियमन थाय छे. भौतिक शरीरधारी होवा छतां पण एमनी आत्मा उच्च तथा अज्ञात जगतमां विचरती रहे छे. गुरु ज आपणा जीवननी पूर्णता होय छे. तेओ पवित्रता, शांति, प्रेम तथा ज्ञाननी साक्षात मूर्ति छे. तेओ साकार पण छे अने निराकार पण. शरीर छोडी दीधा पछी पण एमनुं अस्तित्व मटतुं नथी, परंतु वधुने वधु प्रखर बनी जाय छे.

आजना दिवसे एक विलक्षण आध्यात्मिक पुरुषार्थ (नव वर्षीय मातृशक्ति श्रद्धांजलि नवसर्जन महापुरश्चरण) नी घोषणा आपणा आ विराट गायत्री परिवारना माटे सूक्ष्म जगतमां थई छे. १९४३ थी १९९४ सुधी स्थूळ रूपथी गायत्री परिवारना संरक्षकना रूपमां परम पूज्य गुरुदेवथी अभिन्न परम वंदनीय शक्ति स्वरूपा स्नेह सलिला माता भगवती देवी शर्माजीए पोताना आराध्य पूज्य गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्यजीनी साथे एक अभूतपूर्व पुरुषार्थ संपन्न कर्यो. १९९४मां पोतानी आध्यात्मिक तथा स्थूळ लीलाने समेटीने पोताना आराध्यनी कारण सत्तामां तेओ वीलीन थई गया. १९२६मां जन्मेल आपणी एे ज मातृसत्तानी जन्मशताब्दीनो प्रसंग नजीक आवी रह्यो छे. २०२६मां सप्टेम्बर महिनामां भादरवा वद चोथना दिवसे एमना जन्मने एक शतक पूरु थई जशे. एना उपलक्ष्यमां आपणे सौ एमना बाळकोए एमनी स्मृतिमां एक आध्यात्मिक महापुरुषार्थ नव वर्ष सुधी सतत चलावीने एनी पूर्णाहुति २०२६मां करवानो संकल्प कर्यो छे. आ युग परिवर्तनकारी महाअनुष्ठान आजे ०९ जुलाई गुरुपूर्णिमा, २०१७ थी आरंभ थईने २९ जुलाई, गुरुपूर्णिमा-२०२६ना रोज समाप्त थशे. एमां करोडो परिजनोनी भागीदारी थवा जई रही छे.

परिजनोथी आशा करवामां आवी रही छे के प्रथम चरणनी योजना (गुरुपूर्णिमा २०१७ नी ०९ जुलाईथी २०२०नी गुरुपूर्णिमा ०५ जुलाई सुधी) मां त्रिविध साधना क्रम साथे जोडाय.

(१) उपासना-प्रतिदिन आत्मबोधनी साधना, स्नान कर्या बाद पांच माळा गायत्री जप अथवा ५० गायत्री मंत्रलेखन अथवा गायत्री चालीसा पाठ. रात्रे सूता पहेलां तत्वबोधनी साधना. **(२) साधना-**सकारात्मक विचारोमां निरंतर विचरण माटे श्रेष्ठ ग्रंथोनो नियमित स्वाध्याय. आ स्वाध्याय १० थी वधारे समूहमां आखा भारत तथा विश्वमां ठेर-ठेर थशे. व्यक्तिगत स्तरे पण बधा भागीदार युग निर्माण सत्संकल्प, पोताना अंगअवयवोथीनो नियमित पाठ करशे. एना सिवाय साधनाना आ क्रममां साप्ताहिक उपवास, चिंतन-मनन, अणुव्रतोनुं पालन तथा चतुर्विध संयम पालननो नियमित अभ्यास करशे. **(३) आराधना-**युवा शक्ति, नारी शक्ति तथा प्रज्ञा परिजनोना माटे प्रचार, सर्जन तथा संघर्षनी अंतर्गत **अखंड ज्योति-प्रज्ञा अभियान** (मार्च थी जुलाई-२०१७ तथा आगळना अंकोमां प्रकाशित संपादकीय)-संलग्न परिपत्रना कार्योने संपन्न करवा माटे नियमित समयदान तथा अंशदान माटे निष्ठापूर्वक संकल्पित थशे.

गुरुपूर्णिमा वेदमूर्ति तपोनिष्ठ परम पूज्य गुरुदेवना श्रद्धापूर्वक आह्वान तथा आपणा सौना जीवनमां एमनी कृपाना अवतरणनुं पर्व छे. पावन गुरुपूर्णिमाना अवसर पर गायत्री परिवारना बधा स्वजनो तथा परिवारना परिजनोना उज्जवळ भविष्य, मंगलमय जीवन माटे गुरुनी कृपा तथा आशीर्वाद वरदान सौने मळे एवी प्रार्थना ऋषियुग्मथी करीए छीए. कुशळ समाचार तथा संकल्पोना विषयमां अवश्य लखशो.

(डॉ0प्रणव पण्ड्या)　　(शैलबाला पण्ड्या)

गायत्रीतीर्थ शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार - 249411 (उत्तराखण्ड) भारत
फोन : (1334) 260602, 260309, 261328 • फैक्स : (1334) 260866
वेब साईट : www.awgp.org • ई-मेल : shantikunj@awgp.org